सीतारमन बोलीं

अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए कौशल विकास जरूरी

आइआइएम के दीक्षांत समारोह में बांटी डिग्री

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

रायपुर . भारत में अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए कौशल विकास जरूरी है, वहीं प्रशासनिक क्षमता के साथ काम करने के लिए प्रबंधन भी जरूरी है। मुझे विश्वास है कि भारतीय प्रबंध संस्थानों (आइआइएम) से पढ़कर निकले युवा यह काम अच्छी तरह से कर सकते हैं। यह बातें रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन ने मंगलवार को रायपुर में आइआइएम के 7वें दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। अध्यक्षता भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर श्यामला गोपीनाथ ने की।

रक्षा मंत्री सीतारमन ने कहा कि चाइना जो कि टेक्नोलॉजी के बारे में बातें करने के लिए जाना जाता है, उसे भी 2050 तक लगभग 40 मिलियन स्किल्ड प्रोफेशनल चाहिए तो भारत जैसे युवा देश और अन्य देशों की जरूरत को समझा जा सकता है। उन्होंने आइआइएम और छत्तीसगढ़ में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत रिजर्वेशन रखने को लेकर सराहना की और इसे महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, आप ही आने वाले समय मे स्किल्ड मैन पावर की जरूरत को पूरा करने में भागीदार बनेंगे। उन्होंने जलप्रबंधन और पब्लिक सर्विस में आगे आने का आह्वान किया। फाइनेंस लोकल गवर्नेन्स आदि में उनकी जरूरत को समझाया और सभी को छत्तीसगढ़ में अब तक हुई तरक्की को सराहा।

अगर टूट गया होता तो आज मुख्यमंत्री नहीं बना होता

समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कहा कि एक बार मैं चुनाव हार गया था। लोग मुझसे सहानुभूति जताते हुए वापस डॉक्टरी करने कह रहे थे। मैंने जब अपनी हार का एनालिसिस किया तो पता लगा कि प्रबंधन की कमी से हार हुई थी। अगली बार लोकसभा चुनाव में मुझे जीत मिली। अगर उस हार से टूट गया होता तो आज मुख्यमंत्री न होता। उन्होंने मैनेजमेंट के छात्रों से कहा कि मन में भय न हो। देश-दुनिया में छत्तीसगढ़ और इस संस्थान का नाम रोशन करें। सीएम ने अपनी उपलब्धियों को सिलसिलेवार ढंग से बताया।

Patrika, 11th April 2018, P.4